भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 2270
गुरुवार, 12 फरवरी, 2026/23 माघ, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

पुणे हवाई अड्डे पर सुविधाएं

2270. डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हेः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि पुणे विमानपत्तन (पीएनक्यू) का उपयोग करने वाले यात्रियों को वायु सेना बेस पर सिविल एन्क्लेव के रूप में इसके प्रचालन के कारण उत्पन्न होने वाली क्षमता संबंधी बाधाओं के कारण बार-बार उड़ान में विलंब, सीमित उड़ान विकल्पों, सुरक्षा और बोर्डिंग क्षेत्रों में भीड़-भाड़ और अपर्याप्त सुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने विमानपत्तन पर भीड़-भाड़, प्रतीक्षा समय, बरिष्ठ नागरिकों और निःसक्त व्यक्तियों के लिए पहुंच और समग्र सेवा गुणवत्ता के संबंध में कोई यात्री-केन्द्रित आकलन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पुरंदर में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन के प्रचालन में विलंब के कारण यात्री पर्याप्त कनेक्टिविटी और प्रतिस्पर्धी हवाई किराए से वंचित हो गए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) पुरंदर विमानपत्तन परियोजना की वर्तमान स्थिति, संशोधित समय-सीमा और वित्तीय परिव्यय क्या है; और

(ङ) पुणे विमानपत्तन पर यात्री सुविधा में सुधार लाने के लिए टर्मिनल विस्तार, अतिरिक्त उड़ान स्लॉट, बेहत्तर सार्वजनिक परिवहन संपर्क और नए विमानपत्तन को समयबद्ध तरीके से पूरा करने सहित क्या तात्कालिक और दीर्घकालिक उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): पुणे हवाईअड्डा (पीएनक्यू) एक सिविल एन्क्लेव है जो भारतीय वायु सेना (आईएएफ) बेस पर स्थित है और साझा-उपयोग व्यवस्था के तहत प्रचालित होता है। पुणे हवाईअड्डे पर उड़ान में देरी मुख्य रूप से उत्तरी हवाईअड्डों पर कोहरे से संबंधित व्यवधान, देरी से आगमन, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की परिचालन प्रतिबद्धताओं और विमान ऑन ग्राउंड (एओजी) जैसी तकनीकी समस्याओं के कारण व्यस्त समय के दौरान होती है। पुणे हवाईअड्डा 35 घरेलू और 3 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ा हुआ है, जिसमें एयरलाइनें वर्तमान में आईएएफ द्वारा अनुमोदित 235 स्लॉट के मुकाबले लगभग 200 दैनिक स्लॉट परिचालित कर रही हैं।

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने पुणे हवाईअड्डे पर सुरक्षा चौकियों और बोर्डिंग क्षेत्रों की क्षमता का आकलन किया है। तदनुसार, सभी 11 बोर्डिंग गेटों पर मानदंडों के अनुसार पर्याप्त बैठने की व्यवस्था और बुनियादी सुविधाएं प्रदान की गई हैं, और वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं के साथ नियमित यात्री-केंद्रित मूल्यांकन

सुनिश्चित किया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिकों और कम गतिशीलता वाले व्यक्तियों के लिए लो-फ्लोर कोच, व्हीलचेयर, 'क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूं' काउंटर, टैक्टाइल फ्लोर टाइल्स, लिफ्ट, एलिवेटर और सुलभ शौचालय जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इसके अलावा, एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल सर्वे के अनुसार, पिछले दो तिमाहियों के दौरान पुणे हवाई अड्डे ने एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी (एएसक्यू) सूचकांक को लक्ष्य समझौता ज्ञापन स्तर से ऊपर, 4.96 पर बनाए रखा है।

(ग) और (घ): अगस्त, 2023 में, महाराष्ट्र एयरपोर्ट डेवलपमेंट कंपनी (एमएडीसी) लिमिटेड से पुणे के पुरंदर में एक ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास के लिए मई, 2018 में पहले दी गई 'साइट क्लीयरेंस' को बहाल करने के लिए एक अनुरोध प्राप्त हुआ था। यह अनुरोध/प्रस्ताव भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) और रक्षा मंत्रालय (एमओडी) को उनकी टिप्पणियों के लिए भेजा गया था। एएआई और डीजीसीए से प्राप्त टिप्पणियों के साथ रक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई एनओसी को उनकी टिप्पणियों और अनुपालन के लिए एमएडीसी को भेज दिया गया है।

जीएफए नीति, 2008 के अनुसार, भूमि अधिग्रहण, वित्त पोषण, आर एंड आर इत्यादि सहित ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा परियोजना के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित हवाईअड्डा विकासकर्ता या राज्य सरकार की है, जैसा भी मामला हो।

(ङ): पुणे हवाईअड्डे पर यात्री सुविधा में सुधार करने के लिए, नए एकीकृत टर्मिनल भवन से सटे पुराने टर्मिनल भवन के आगमन हिस्से का नवीनीकरण किया जा रहा है, जिसमें अतिरिक्त चेक-इन काउंटर, बोर्डिंग गेट और सुरक्षा अवसंरचना के साथ लगभग 4,000 वर्ग मीटर यात्री क्षेत्र जोड़ा जा रहा है, जिससे टर्मिनल क्षमता में वृद्धि हो रही है। पुणे हवाईअड्डे के और विस्तार के लिए राज्य सरकार से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को 330 एकड़ भूमि सौंपने का अनुरोध किया गया है।

******